भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2947
दिनांक 12 दिसंबर, 2024

ओएनजीसी द्वारा राणाघाट क्षेत्र, पश्चिमी बंगाल में तेल और गैस का अन्वेषण

†2947. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओएनजीसी द्वारा राणाघाट क्षेत्र में खोजे गए तेल और गैस भंडार की अनुमानित मात्रा कितनी है तथा पश्चिम बंगाल में समग्र ऊर्जा उत्पादन पर इसका क्या प्रभाग पड़ेगा;
(ख) राणाघाट क्षेत्र में अन्वेषण और विकास गतिविधियों की वर्तमान स्थिति क्या है तथा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की अनुमानित समय-सीमा क्या है;
(ग) राणाघाट क्षेत्र के विकास में पर्यावरण नियमों और सतत प्रथाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और
(घ) राणाघाट क्षेत्र से तेल और गैस के निष्कर्षण और परिवहन में सहायता के लिए पाइपलाइनों और प्रसंस्करण सुविधाओं जैसे बुनियादी ढांचे के विकास की क्या योजना बनाई गई है तथा उनके पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): दिनांक 15.04.2024 को एनईएलपी-VII ब्लॉक डब्ल्यूबी-ओएनएन-2005/4 में रानाघाट-2 कूप को एक खोज के रूप में अधिसूचित किया गया है। हाइड्रोकार्बन मात्रा को अभी तक अनुमानित नहीं किया गया है। क्षेत्र का आकलन चरण दिनांक 09.05.2027 तक है। क्षेत्र के आकलन को पूरा करने के बाद ही क्षेत्र की हाइड्रोकार्बन संभाव्यता की गणना की जा सकती है। निष्कर्षों के आधार पर क्षेत्र विकास योजना (एफडीपी) तैयार की जाती है तथा अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं में अन्य बातों के साथ–साथ पाइपलाइनें, सुविधाओं की अधिप्राप्ति इत्यादि शामिल है जिन्हें समय-सीमा के अनुसार तैयार किया जाता है।

कार्यकलापों की शुरुआत करने से पहले मौजूदा लागू कानून के अनुसार रानाघाट क्षेत्र सहित तेल तथा गैस अन्वेषण हेतु पर्यावरण संबंधी अनुमतियां, जिनमें तटीय ज़ोन अनुमतियां शामिल हैं, प्राप्त करना आवश्यक हैं। इसमें सामान्यता पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अध्ययन शामिल है, जिसमें जन सुनवाई तथा पर्यावरण से संबंधित अन्वेषण कार्यकलापों का यथोचित आकलन सुनिश्चित करना शामिल है। कम्पनियां, पर्यावरण सुरक्षा तथा अनुपालना संबंधी आवश्यक सुरक्षापाय उपायों के साथ आवश्यक पर्यावरण संबंधी अनुमतियों की प्राप्ति के बाद ही अन्वेषण कार्यकलापों की शुरुआत कर सकती हैं।

***